भारत सरकार

विधि और न्याय मंत्रालय

विधायी विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3315

जिसका उत्तर शुक्रवार, 23 मार्च, 2018 को दिया जाना है

**इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों की प्रभावकारिता**

**3315. श्री संजय राउत :**

क्या **विधि और न्याय** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या वोटर वेरिफायबल पपेर ऑडिट ट्रायल (वीवीपैट) युक्त इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) इस प्रणाली को त्रुटिरहित और विश्वसनीय बनाता है ;

(ख) यदि हां, तो वर्तमान में कितने लोकतांत्रिक देश इस प्रणाली का प्रयोग कर रहे है ;

(ग) क्या यह सच है कि तकनीकी रूप से विकसित कई देश अभी भी केवल पेपर बैलट का ही प्रयोग कर रहे है ; और

(घ) यदि हां, तो इसके क्या कारण है ?

**उत्तर**

**विधि और न्‍याय तथा कारपोरेट कार्य राज्य मंत्री (श्री पी.पी.चौधरी)**

**(क) :** निर्वाचन आयोग ने उल्लिखित किया है कि आयोग द्वारा आदेशाधीन तकनीकी सुरक्षा, प्रशासनिक प्रोटोकाल और प्रक्रियात्‍मक सुरक्षापायों की व्‍यापक श्रृंखला, इलेक्‍ट्रानिक मतदान मशीन की संपूर्णता, अभेद्यता और विश्‍वसनीयता को कड़ाई से सुनिश्‍चित करती है । वोटर वेरिफिएबल पेपर आडिट ट्रायल (वीवीपीएटी) यूनिटों का प्रयोग इलेक्‍ट्रानिक प्रक्रिया की पारदर्शिता को आगे बढ़ाता है ।

**(ख) :** इसके अतिरिक्त आयोग ने उल्लिखित किया है कि नामीबिया, भूटान, ब्राजील, वेनेजुएला, अरमेनिया, बांग्‍लादेश, जापान, आस्‍ट्रेलिया, बेल्‍जियम, बुल्‍गारिया, इटली, स्वीट्जरलैंड, कनाड़ा, मैक्सिको, यूएसए, अर्जेंटीनी, चिली, पेरू, ऐसे कुछ देश है, जहां पर इलेक्‍ट्रानिक मतदान मशीनों का प्रयोग होता है ।

**(ग) :** जी, हां ।

**(घ) :** कतिपय देशों में इलेक्‍ट्रानिक मतदान मशीनों का प्रयोग न करने के कारणों को अभिनिश्चित करने के संबंध में आयोग द्वारा कोई अध्‍ययन नहीं किया गया है ।

\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*